

आमर उजाला

बरेली
सोमवार, 17 जुलाई 2023
प्रथम श्रावण अमावस्या
चिह्न संख्या-2080

PAGE NO. 05 : BOTTOM

मिलने से पहले बिछड़ गए सस्सी-पुन्नू

बरेली। एसआरएमएस सिडिमा में रविवार को नई दिल्ली के रूबरू थिएटर ग्रुप ने काजल सूरी लिखित और निर्देशित नाटक सस्सी-पुन्नू को प्रस्तुत किया। नाटक में शहजादा पुन्नू एक सपना देखता है जो सस्सी के रूप में साकार होता है।

उसे पाने के लिए वह धोखे का रूप धारण कर लेता है, लेकिन उसके बड़े भाई को यह रिश्ता मंजूर नहीं। शादी के दिन वह पुन्नू को धोखे से अपने साथ ले जाता है। रेगिस्तान में सस्सी-पुन्नू अंत तक भटकते रहते हैं। उनकी रूह अमर हो जाती है। जसकीरन चोपड़ा, अन्नू शर्मा, धर्म गुप्ता, शुभम शर्मा, मनन सूद, रवनीत कौर, आफताब ने अपना किरदार बखूबी निभाया। संवाद